॥ श्रीः ॥

विद्याभवन प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला

१००

श्रौतयज्ञ-परिचय

लेखक

याज्ञिकसम्राट्, वेदवाचस्पति

पण्डित श्रीवेणीरामशर्मा गौड

वेदाचार्य, काव्यतीर्थ

भूतपूर्व प्राध्यापक — गोयनका संस्कृत कालेज, वाराणसी

चौखम्बा विद्याभवन

वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

विषय	हिन्दी पृष्ठ संख्या	संस्कृत पृष्ठ संख्या
१. यज्ञादि का स्वरूप	१	१
२. स्मार्त अग्नि का आधानकाल	२	,,
३. स्मार्त अग्नि में कर्तव्य कर्म	,,	२
४. पाकयज्ञों में प्रथम यज्ञ औपासनहोम	३	,,
५. वैश्वदेव कर्म	४	३
६. पार्वण	,,	,,
७. अष्टकाश्राद्ध	,,	,,
८. मासि श्राद्ध	५	,,
९. श्रवणाकर्म	,,	४
१०. शूलगव	,,	,,
११. श्रौत आधान काल और उसके अधिकारी	,,	,,
१२. अग्निहोत्र में द्रव्य और देवता	६	५
१३. दर्श-पूर्णमास याग	८	६
१४. आधानानन्तर पहले पौर्णमास का तदनन्तर दर्शेष्टि का अनुष्ठान	१०	७
१५. दर्शपूर्णमास सब इष्टियों की प्रकृति	,,	,,
१६. दर्शपूर्णमास याग के पदार्थ	११	८
१७. चातुर्मास्य याग	१५	११
१८. प्रथम वैश्वदेव पर्व	,,	,,
१९. वरुणप्रघास नामक द्वितीय पर्व	१६	१२
२०. साकमेधसंज्ञक तृतीय पर्व	१८	१३
२१. शुनासीरीयसंज्ञक चतुर्थ पर्व	१९	१५
२२. चातुर्मास्ययाग में दो पक्ष	२०	,,
२३. चातुर्मास्यों का वैविध्य	२०	,,

विषय	हिन्दी	संस्कृत
२४. निरूढपशुबन्ध	२१	१६
२५. आग्रयणेष्टि	२३	१७
२६. सौत्रामणीयाग	२४	१८
२७. सोमयाग का निरूपण	२७	२०
२८. महाभिषव	४५	३२
२९. क्षुल्लकाभिषव	,,	,,
३०. सवनीय पशु	४८	३५
३१. द्विदैवत्य ग्रह का भक्षण	५०	३७
३२. चमस-भक्षण	५१	,,
३३. ऋतु-ग्रह	५२	३८
३४. माध्यन्दिन-सवन	५४	३९
३५. तृतीय-सवन	५६	४१
३६. अवभृथ	५८	४२
३७. द्वादशाह-यज्ञ	५९	४३
३८. गवामयन सत्र	६३	४६
३९. वाजपेय-यज्ञ	६८	४८
४०. राजसूय-यज्ञ	६९	५०
४१. सोमयागाङ्ग अग्निचयन	७५	५४
४२. अश्वमेध यज्ञ	८३	६०
४३. पुरुषमेधयाग	८९	६५
४४. सर्वमेधयाग	९०	,,
४५. पितृमेधयाग	९१	६६
४६. एकाहयाग	,,	,,
४७. अहीनयाग	९६	७०
४८. सत्रों का निरूपण	९९	७२